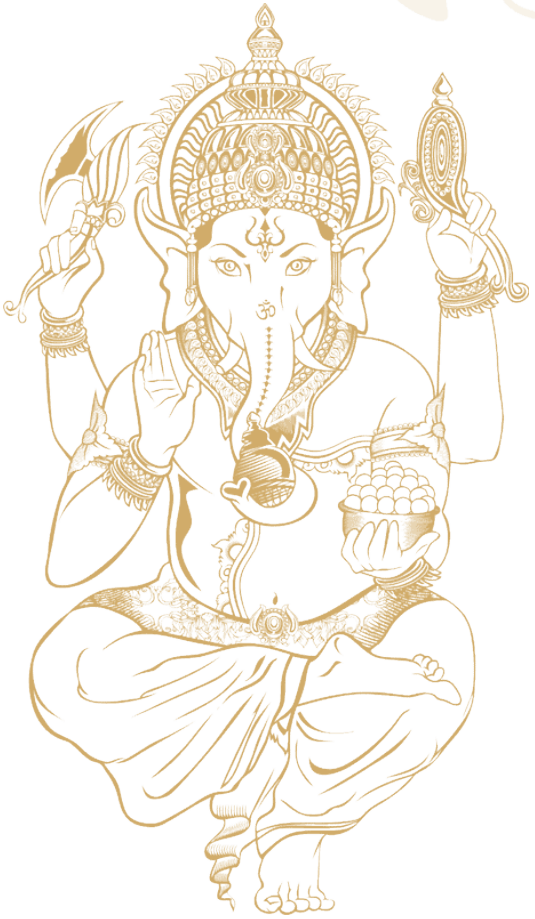

Ronak

07 Jul 1992

07:35 PM

Chitorgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 120861204

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/07/1992**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**19:35:00 घंटे**
इष्ट	34:27:36 घटी
स्थान	**Chitorgarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:53:00 उत्तर
रेखांश	74:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:03:32 घंटे
वेलान्तर	-00:04:53 घंटे
साम्पातिक काल	14:06:41 घंटे
सूर्योदय	05:47:57 घंटे
सूर्यास्त	19:24:36 घंटे
दिनमान	13:36:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	21:56:03 मिथुन
लग्न के अंश	25:29:44 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शिव
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पो-पौरुष
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	25:29:44	364:54:27	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
सूर्य			मिथु	21:56:03	00:57:12	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	सम राशि
चंद्र			कन्या	27:56:29	13:33:43	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मित्र राशि
मंगल			मेष	22:51:49	00:42:38	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध			कर्क	17:57:15	00:52:07	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
गुरु			सिंह	17:00:40	00:09:45	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र		अ	मिथु	28:30:20	01:13:46	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		मक	23:30:15	00:03:27	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	स्वराशि
राहु			धनु	06:51:15	00:00:10	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	नीच राशि
केतु			मिथु	06:51:15	00:00:10	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	22:17:17	00:02:25	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
नेप	व		धनु	23:52:05	00:01:37	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	26:32:21	00:00:45	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
दशम भाव			तुला	10:09:55	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:27

लग्न-चलित

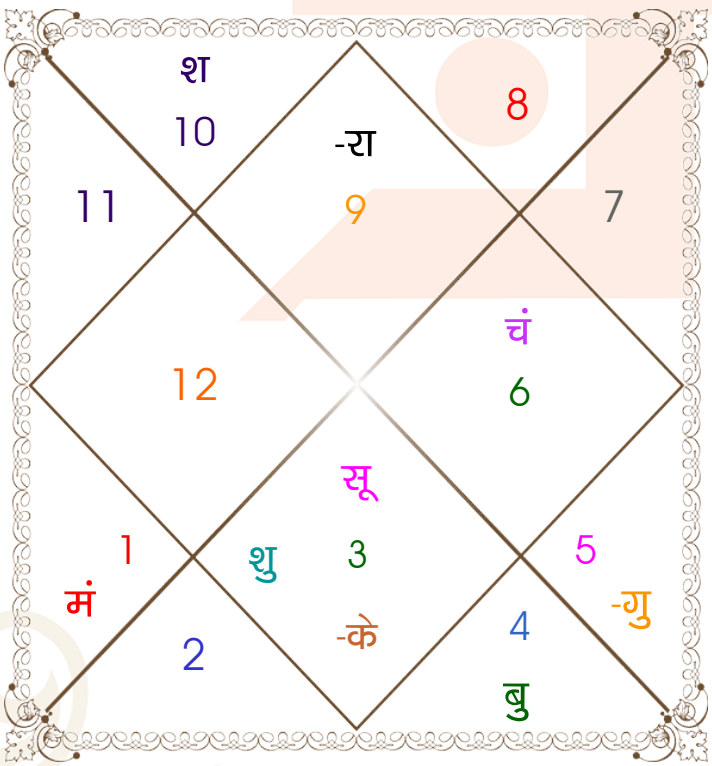

चन्द्र कुंडली

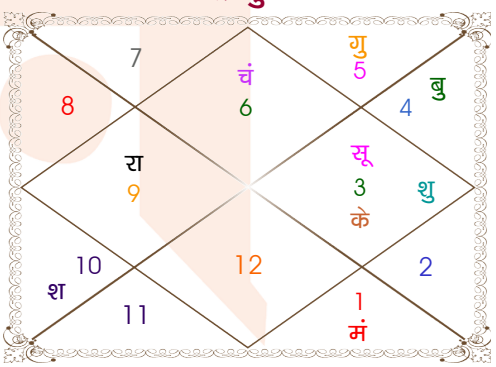

नवमांश कुंडली

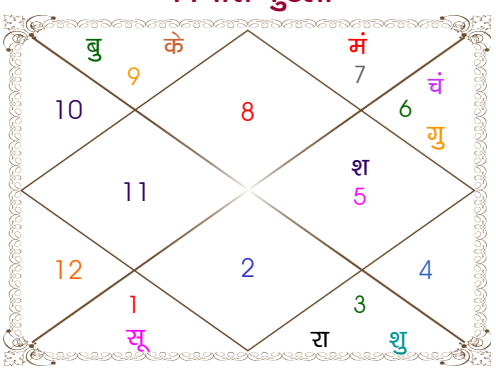

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 6 मास 29 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
07/07/1992		04/02/1997		05/02/2015		05/02/2031		05/02/2050	
04/02/1997		05/02/2015		05/02/2031		05/02/2050		05/02/2067	
	00/00/0000	राहु	19/10/1999	गुरु	25/03/2017	शनि	08/02/2034	बुध	03/07/2052
	00/00/0000	गुरु	13/03/2002	शनि	06/10/2019	बुध	18/10/2036	केतु	01/07/2053
	07/07/1992	शनि	17/01/2005	बुध	11/01/2022	केतु	27/11/2037	शुक्र	30/04/2056
शनि	06/08/1993	बुध	07/08/2007	केतु	18/12/2022	शुक्र	26/01/2041	सूर्य	07/03/2057
बुध	03/08/1994	केतु	24/08/2008	शुक्र	18/08/2025	सूर्य	08/01/2042	चंद्र	06/08/2058
केतु	30/12/1994	शुक्र	25/08/2011	सूर्य	06/06/2026	चंद्र	10/08/2043	मंगल	04/08/2059
शुक्र	01/03/1996	सूर्य	19/07/2012	चंद्र	06/10/2027	मंगल	17/09/2044	राहु	20/02/2062
सूर्य	06/07/1996	चंद्र	17/01/2014	मंगल	11/09/2028	राहु	25/07/2047	गुरु	28/05/2064
चंद्र	04/02/1997	मंगल	05/02/2015	राहु	05/02/2031	गुरु	05/02/2050	शनि	05/02/2067

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
05/02/2067		05/02/2074		05/02/2094		05/02/2100		06/02/2110	
05/02/2074		05/02/2094		05/02/2100		06/02/2110		00/00/0000	
केतु	04/07/2067	शुक्र	06/06/2077	सूर्य	25/05/2094	चंद्र	07/12/2100	मंगल	05/07/2110
शुक्र	02/09/2068	सूर्य	06/06/2078	चंद्र	24/11/2094	मंगल	08/07/2101	राहु	23/07/2111
सूर्य	08/01/2069	चंद्र	05/02/2080	मंगल	01/04/2095	राहु	07/01/2103	गुरु	28/06/2112
चंद्र	09/08/2069	मंगल	06/04/2081	राहु	23/02/2096	गुरु	08/05/2104	शनि	08/07/2112
मंगल	05/01/2070	राहु	06/04/2084	गुरु	12/12/2096	शनि	07/12/2105		00/00/0000
राहु	24/01/2071	गुरु	06/12/2086	शनि	24/11/2097	बुध	08/05/2107		00/00/0000
गुरु	31/12/2071	शनि	05/02/2090	बुध	30/09/2098	केतु	07/12/2107		00/00/0000
शनि	07/02/2073	बुध	06/12/2092	केतु	05/02/2099	शुक्र	07/08/2109		00/00/0000
बुध	05/02/2074	केतु	05/02/2094	शुक्र	05/02/2100	सूर्य	06/02/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 7 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काणा का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आपको आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सृदृढ़-स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु वृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी जीवन में भी आ सकते हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगगस्त भी हो सकता है। अतः आपको अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगे यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगे क्योंकि आप एक विशाल हृदय के प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकते हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आपको इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगे। तब यह संभाव्य है कि आप में शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने की प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगे। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करते हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वास्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकते हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगे। आप बहुत बड़े विश्वासी है तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करते हैं। तथा यह भी मानते हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखते है कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगे तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगे।

आपके लिए कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी बुद्धि को अनुकूल कर सकते हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक

संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।